टैंडर हार्ट हाई स्कूल, सेक्टर-33बी, चण्डीगढ़

कक्षा- चार 4 शिक्षिकाएँ - रेमा रानी, सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य पाठ-4 हिमालय (कविता) भाग 1
कवि- सोहनलाल द्विवेदी
पुस्तक- नवतरंग-4

सुप्रभात बच्चो!

आज हम पाठ-4 'हिमालय' कविता जोकि कक्षा चार की पाठ्य पुस्तक भाग-4 के पृष्ठ-26 पर लिखी है, को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 6.5.24 को भेजा जा रहा है।

सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ-26 खोल-कर रख लें, साथ ही अभ्यास-पुस्तिका भी खोलकर रख लें। मैं पढ़ाते समय पाठ के बीच में से ही कुछ प्रश्न पूछती जाऊँगी। उन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आप कुछ मिनट का अंतराल लेंगे। आप सब ध्यान से कविता को पढ़ेंगे, सुनेंगे व समझेंगे।

बच्चो! यह कविता कवि सोहनलाल द्विवेदी -जी द्वारा रचित है। कवि इस कविता के माध्यम से हमें यह बता रहे हैं कि हिमालय पर्वत हमारे देश का पहरेदार बनकर खड़ा रक्षा करता है। यह सदियों से विभिन्न प्रकार की मुसीबतों का सामना करता हुआ देश की सुरक्षा में सजग खड़ा है। इसी प्रकार से हमें भी इस कविता से सीख लेते हुए अपने जीवन में हिमालय की भाँति (तरह) ही दृढ़निश्चयी बनकर विघ्न-बाधाओं को पार कर सफलता प्राप्त करनी है।

1. युग-युग से है अपने पथ पर
देखो कैसा खड़ा हिमालय,
डिगता कभी न अपने प्रण से
रहता प्रण पर अड़ा हिमालय!

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DAT 6.5.24
PAGE No. 2

कक्षा- चार 4 शिक्षिकाएँ - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य पाठ-4 हिमालय (कविता)

अर्थ:- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि युगों से हिमालय पर्वत हमारे देश भारत की रक्षा करने के लिए स्थिर खड़ा है। यह प्रतिज्ञा लेकर हमारे देश की रक्षा में अटल, अडिग तथा अड़कर खड़ा है। दुश्मन इसकी तरफ़ आँख उठाकर भी नहीं देख सकता। इसी प्रकार हमें भी अपना लक्ष्य साधकर उसे प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए, उस लक्ष्य पर डटे रहना चाहिए। डगमगाना नहीं चाहिए।

अब बच्चो! मैं आपसे प्रश्न पूछती हूँ। यहाँ आप तीन मिनट का अंतराल लेंगे और प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. हिमालय हमें क्या प्रेरणा देता है?
प्रश्न 2. हिमालय हमारे देश का क्या बनकर रक्षा करता है?

अब बच्चो! आपके अंतराल का समय समाप्त हुआ। मैं इन प्रश्नों के उत्तर बताने जा रही हूँ।

उत्तर 1. हिमालय हमें अपने जीवन में आने वाली विघ्न-बाधाओं का डटकर मुकाबला करने की प्रेरणा देता है।

उत्तर 2. हिमालय हमारे देश का प्रहरी (पहरेदार) बनकर रक्षा करता है।

अब बच्चो! मैं कविता को आगे पढ़ती हूँ।

2.
जो-जो भी बाधाएँ आईं
उन सबसे ही लड़ा हिमालय,
इसीलिए तो दुनिया भर में
हुआ सभी से बड़ा हिमालय!

अर्थ:-
इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि हमारे देश

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

DATE 6.5.24
PAGE No. 3

कक्षा - चार 4 शिक्षिकाएँ - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य पाठ-4 हिमालय (कविता)

भारत पर जो भी कष्ट-बाधा सामने आई, उन सबसे हिमालय लड़ा और दुश्मनों से भारतभूमि को बचा, उसकी रक्षा की। इसीलिए हिमालय संसार में सबसे बड़ा पहाड़ है। सभी देश इसका लोहा मानते हैं। इसकी ओर आँख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं करते हैं। अतः हमें भी हिमालय की भाँति ही अडिग रहकर जीवन जीना चाहिए।

अब बच्चो! इस कविता पाठ-4 को हम यहीं समाप्त करते हैं। इसका शेष भाग अगले हफ़्ते पढ़ेंगे।

सभी बच्चे इस कविता को धीरे-धीरे उच्च स्वर में बार-बार पढ़ेंगे। बच्चों के अभिभावकों से निवेदन है कि वे अपने बच्चे की कविता पढ़ने व कार्य करने में मदद करें।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner